ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः
गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
पन्तनगर–263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
फोन नम्बरः 05944–233032

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – उधम सिंह नगर

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे | निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून

वर्षः 28 अंकः 34 बुलेटिन अवधिः : 27 अप्रैल – 1 मई, 2019 दिनः शुक्रवार दिनाँकः 26 अप्रैल, 2019

मौसम पूर्वानुमानः

भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** द्वारा वित्त पोषित एवं **भारत मौसम विज्ञान विभाग** द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत **राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली** द्वारा पूर्वानुमानित तथा **मौसम केन्द्र, देहरादून** द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा **उधम सिंह नगर में अगले पाँच दिनों** में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :–

पूर्वानुमानित मौसम तत्व	मौसम पूर्वानुमान – उधम सिंह नगर				
	27/04/2019	28/04/2019	29/04/2019	30/04/2019	01/05/2019
वर्षा (मिमी0)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	38	39	39	40	40
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	21	22	23	23	24
बादल आच्छादन	साफ	साफ	साफ	साफ	आंशिक बादल
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	75	75	75	75	85
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	35	35	35	35	45
वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा)	008	010	010	008	008
वायु की दिशा	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	पूर्व–दक्षिण–पूर्व

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर स्थित कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला (समुद्रतल से ऊँचाई–243.8 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों (19–25 अप्रैल, 2019) में मौसम साफ रहने के साथ कही–कही मध्यम बादल छाये रहें। अधिकतम तापमान 30.0 से 37.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 15.4 से 22.9 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 53 से 79 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 22 से 39 प्रतिशत एवं मुख्यतः पूर्व–उत्तर–पूर्व दिशा से चली।

ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

कृषि मौसम परामर्श

फसल	अवस्था	कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानो हेतु कृषि सलाह
गेहूँ एवं दलहनी फसलें	कटाई	गेहूँ एवं दलहनी फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य करें।
ढ़ैचा, सनई	बुवाई	गेहू की कटाई के बाद हरी खाद हेतु मुख्यतः ढ़ैचा एवं सनई की बुवाई अप्रैल के द्वितीय पखवाड़े मे करें तथा बीज दर 50–60 किलोग्राम/है0 रखें।
गन्ना	विलम्ब से बुवाई	अगर गेहूँ की कटाई के बाद विलम्ब से गन्ना की बुवाई करनी हो तो इसे अप्रैल माह में पूरा कर लें। बुवाई हेतु गन्ना के 1/3 से 1/2 ऊपरी हिस्सों को बीज में प्रयोग करें। बीजोपचार से पूर्व बीज को 24 घंटे पानी में भिगोंए। इससे जमाव में आशातील बढ़ोत्तरी होती है। बीज शोधन हेतु 1 ग्राम कार्बेडाजिम 50 प्रतिशत को एक लीटर पानी की दर से घोल बनाए। विलम्ब से बुवाई में को एस 88230, को एस 95255, को एस 95222, को एस97264, को पंत 84212 आदि प्रजातियों का चुनाव करें। संतुलित उर्वरक 100–120:60:40 एन0पी0के0/है0 का प्रयोग करें। बुवाई के समय 60 कि0ग्रा0 छ, 60 कि0ग्रा0 P_2O_5 व 40 कि0ग्रा0 K_2O प्रति है0 का उपयोग करें।
टमाटर व मिर्च	–	टमाटर व मिर्च की फसल मे सिकुड़े हुए चित्तकबरे पत्ते दिखाई देने पर ग्रसित पौधो को निकालकर नष्ट करे तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण हेतु सर्वागीं कीटनाशी का छिड़काव करें। पछेती झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव हेतु मैनकोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करे।
प्याज	–	प्याज मे पत्ती झुलसा रोग के नियंत्रण हेतु टेबुकोनाजोल या डिफिनोकोनाजोल या प्रोपीकोनाजोल का 500 मिली0 प्रति है0 की दर से किसी सर्वांगी कीटनाशी का स्टीकर के साथ मिलाकर छिड़काव करे।
हल्दी, अदरक, अरबी	बुवाई	हल्दी, अदरक एवं अरबी की बुवाई करे।
आम	–	जब आम का फल मटर के दाने के बराबर हो जाय तो सिंचाई शुरू कर देनी चाहिए। फलों को गिरने से रोकने के लिए 20 पी0पी0एम0, एन0ए0ए0 (0.02 ग्राम /लीटर) का छिड़काव करना चाहिए।
पशुपालन	–	इस गर्मी के दिनों में पशुओं के लिए पानी की उचित व्यवस्था करें। पीने के पात्र को साफ रखना चाहिए और दिन के समय पशुओ को कम से कम चार बार पानी जरूय पिलाये। पटेरा रोग से बचाव हेतु प्रसव होने के 10 दिन पश्चात् 10–15सी0सी0 नीम का तेल नवजात को पिला दें। तदुपरांत 10 दिन पश्चात् पुनः 10–15 सी0सी0 नीम का तेल पिला दें। बथुए का तेल इसका रामबाण इलाज है।

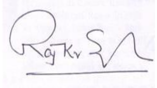

डा0 आर0 के0 सिंह
प्राध्यापक एवं प्रिंसिपल नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,
गो.ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विश्वविद्यालय, पन्तनगर